रोष है. वहीं अकादमी में विभाग की ओर से पहले बिना टिकट शो के 15000, टिकट के साथ

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

सबको रुला गई 'द्रोपदी की दास्तां'

» द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की ओर से दुःख द्रोपदी का मंचन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 April) :संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में शुक्रवार को द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की ओर से कथक नृत्य नाटिका 'दुख द्रोपदी का' मंचन किया गया. नीरा मिश्रा की अंग्रेजी में लिखी इस नाटिका का हिंदी रूपांतरण महफूज आलम रिजवी ने किया. जबकि नृत्य निर्देशन सदानन्द विश्वास व नीरा मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया.

नारी शक्ति का प्रतीक द्रोपदी

दुख द्रोपदी का नृत्य नाटिका की शुरुआत द्रोपदी पर लगे विभिन्न आरोप जैसे कि उसके पांच पति हैं तथा उसके संवाद 'अंधे का बेटा अंधा' आदि के साथ होता है. जिन्हें महाभारत युद्ध का कारण माना गया. इन सब के बीच भगवान कृष्ण प्रकट होते हैं. और अपने ऊपर लगे आरोपों से आहत द्रोपदी को समझते हुए कहते हैं कि तुम तुम ऐसी नहीं हो. पांच सतियों में तुम्हारा नाम है और तुम नारी सशक्तिकरण का प्रतीक हो. द्रोपदी एक ऐसी नारी है जो एक बड़े साम्राज्य को चुनौती देती है तथा नारी स्वाभिमान का प्रतीक बनकर उभरती है. कलाकारों में आकांक्षा गैरोला, सदानन्द विश्वास ने प्रभावी अभिनय किया. जिसका सभागार में बैठे दर्शकों ने तालियों के साथ स्वागत किया.

कथक से दिखाया कृष्ण-द्रोपदी प्रसंग

प्रस्तुति से सबका मन मोहा

रंगमंच पर भी जीएसटी की मार, कलाकार बेजार

SPECIAL

- एसएनए के प्रेक्षागृह की बुकिंग पर 18 परसेंट लगेगा जीएसटी
- प्रति वर्ष सिर्फ एसएनए में होते हैं 250 से अधिक नाटक

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 April) : मंच से गरीबों के हक की आवाज उठाने वाले नाटककार अब खुद ही महंगाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं. संगीत नाटक अकादमी में अब नाटककारों को नाटक करने के लिए प्रेक्षागृह की बुकिंग पर 18 परसेंट जीएसटी देनी होगी. एसएनए के संत गाडगे प्रेक्षागृह में पहले से ही किराया बहुत अधिक था. उस पर से जीएसटी लगने के बाद करीब दो से ढाई हजार रुपये लोगों को और देना पड़ेगा. जिसको लेकर रंगकर्मियों रोष है. वहीं अकादमी में विभाग की ओर से जारी आदेश के बाद जीएसटी लगाने की बात हो रही है.

कलाकारों ने जताया विरोध

कलाकार एसोसिएशन, थिएटर व फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने रंगमंच को जीएसटी से बाहर रखने की बात की. इसके विरोध में थिएटर व फिल्म वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले सात अप्रैल को शहर के कलाकार जीपीओ पर धरना दे विरोध जताएंगे.

18 परसेंट लगेगा टैक्स

एसएनए के प्रोग्राम प्रोड्यूसर तरुण राज ने बताया, जो आदेश आया है उसमें 18 परसेंट अलग से टैक्स देना है. आदेश का पालन जरूरी है. वहीं सभागार के इंचार्ज राजेंद्र ने बताया कि अब जितनी भी बुकिंग होगी वो 18 परसेंट टैक्स के साथ की जाएगी. टैक्स लगने से पहले बिना टिकट शो के 15000, टिकट के साथ

GRAPHIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

फैक्ट फाइल

18	250
परसेंट लगेगा जीएसटी	से अधिक नाटक एक वर्ष में होते हैं

टैक्स लगने पर होगी वृद्धि

वर्तमान	टैक्स के बाद
15,000	17,700
21,000	24,780
27,000	31,860

शो के लिए 21000 व कारपोरेट व सरकारी आयोजन के लिए 27000 रुपए किराया था. संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में हर साल 250 से अधिक नाटक होते हैं. शहर के सबसे महंगे और बड़े प्रेक्षागृह में एक हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था है. अब यहां 18 प्रतिशत जीएसटी लगने से इसका किराया और बढ़ जाएगा.

बोले लोग

जीएसटी के दायरे से रंगमंच को बाहर रखना चाहिए. एसएनए के सभागार का किराया पहले ही अधिक है उस पर 18 परसेंट जीएसटी लगने से कलाकारों की मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी.
दबीर सिद्दीकी, थियेटर एंड फिल्म वेलफेयर सोसाइटी

रंगकर्मी बहुत कम संसाधनों में एक प्ले तैयार करते हैं. उन पर जीएसटी का बोझ पड़ने से अब उनका आत्मविश्वास भी टूट जाएगा. रंगमंच को जीएसटी से मुक्त किया जाना चाहिए.
मुकेश वर्मा, वरिष्ठ रंगकर्मी

रंगमंच की हालत बहुत अच्छी नहीं है. किसी तरह संकट झेलते हुए लोग रंगमंच में जुड़े हैं. ऐसे में अगर एसएनए के सभागार में नाटक के लिए अलग से 18 परसेंट उन्हें देना पड़ेगा तो उनकी समस्याएं बढ़ जाएंगी. यहां जीएसटी नहीं लगनी चाहिए थी.
विनोद मिश्रा, सचिव, कलाकार एसोसिएशन

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

सबको रुला गई 'द्रोपदी की दास्तां'

- द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की ओर से दुःख द्रोपदी का मंचन

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 April) : संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में शुक्रवार को द्रोपदी ड्रीम ट्रस्ट की ओर से कथक नृत्य नाटिका 'दुख द्रोपदी का' मंचन किया गया. नीरा मिश्रा की अंग्रेजी में लिखी इस नाटिका का हिंदी रूपांतरण महफूज आलम रिजवी ने किया. जबकि नृत्य निर्देशन सदानन्द विश्वास व नीरा मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया.

नारी शक्ति का प्रतीक द्रोपदी

दुख द्रोपदी का नृत्य नाटिका की शुरुआत द्रोपदी पर लगे विभिन्न आरोप जैसे कि उसके पांच पति हैं तथा उसके संवाद 'अंधे का बेटा अंधा' आदि के साथ होता है. जिन्हें महाभारत युद्ध का कारण माना गया. इन सब के बीच भगवान कृष्ण प्रकट होते हैं. और अपने ऊपर लगे आरोपों से आहत द्रोपदी को समझते हुए कहते हैं कि तुम तुम ऐसी नहीं हो. पांच सतियों में तुम्हारा नाम है और तुम नारी सशक्तिकरण का प्रतीक हो. द्रोपदी एक ऐसी नारी है जो एक बड़े साम्राज्य को चुनौती देती है तथा नारी स्वाभिमान का प्रतीक बनकर उभरती है. कलाकारों में आकांक्षा गैरोला, सदानन्द विश्वास ने प्रभावी अभिनय किया. जिसका सभागार में बैठे दर्शकों ने तालियों के साथ स्वागत किया.

कथक से दिखाया कृष्ण-दोपदी प्रसंग

प्रस्तुति से सबका मन मोहा

'आज रियलिस्टिक फिल्मों का है जमाना'

- फिल्म के प्रमोशन के लिए शहर आई हर्षिता भट्ट और एक्टर मनोज पहवा

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6 April) : वक्त के साथ बदलाव होता है. बॉलीवुड में भी काफी बदलाव आया है. अब रियलिस्टिक फिल्मों का जमाना है. यह बातें एक्ट्रेस हर्षिता भट्ट ने कहीं. अशोका व हासिल जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हर्षिता अपनी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए शहर आई थी. उनके साथ एक्टर मनोज पहवा भी मौजूद थे.

कम लेकिन अच्छा काम करें

काफी लंबे समय बाद परदे पर लौटी हर्षिता ने कहा कि मैं लगातार इंडस्ट्री में काम कर रही हूं. फिल्म तभी साइन करती हूं जब उसकी स्क्रिप्ट अच्छी होती है. मैं शुरू से चूजी हूं कम काम किया मगर अच्छा काम किया.

हार्ड वर्क से सफलता

हर्षिता ने कहा कि बॉलीवुड में करियर बनाने वाले न्यूकमर्स को हार्ड वर्क करना चाहिए. उन्होंने लखनऊ के बारे में कहा कि अब यहां की तस्वीर बदल रही है. तीन साल पहले वह आई थी, तब और अब में बहुत बदलाव आ गया है. सड़कें चौड़ी-चौड़ी हो गई हैं, साफ-सफाई भी दिखीं.

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

एक्टर मनोज पहवा.

एक्ट्रेस हर्षिता भट्ट.

हर्षिता अशोका व हासिल जैसी फिल्मों में अदाकारी का जलवा दिखा चुकी हैं.

शूटिंग फ्रेंडली है लखनऊ

अपने अंदाज से लोगों के दिलों में बसने वाले एक्टर मनोज पहवा ने कहा कि लखनऊ शूटिंग फ्रैंडली है. यहां शूटिंग करना अन्य शहरों के मुकाबले आसान है. यहां पर अब बड़े बड़े स्टार शूटिंग करने आ रहे हैं. जिसका फायदा यहां के लोकल आर्टिस्ट को काफी फायदा हो रहा है. शहर में कई बेहतरीन रियल लोकेशन है. आने वाले वक्त में राजधानी बड़े शूटिंग हब के तौर पर नजर आयेगा. उन्होंने हाल में ही मुल्क फिल्म में शूटिंग की जिसके बारे में उन्होंने कहा कि फिल्म की शूटिंग सदर इलाके में हुई थी. इतनी घनी आबादी में शूटिंग करना कलाकारों के लिए आसान नहीं होता. लेकिन हम लोगों को शूटिंग में कोई भी परेशानी नहीं आई. प्रशासन के साथ आम लोगों का भी पूरा सहयोग मिला.

स्वीमिंग में सुमन ने जीते दो सिल्वर मेडल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(6April): पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित हुई अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज तैराकी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश सिविल सर्विसेज की सुमन चौधरी ने शानदार प्रदर्शन कर दो सिल्वर मैडल अपने नाम किए, इसके साथ ही विकास अवस्थी, संतोष और गजेंद्र सिंह को एक-एक कांस्य पदक मिला. उत्तर प्रदेश सचिवालय में मुख्य व्यवस्थाधिकारी सुमन भातीय तैराकी प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुकी हैं. उत्तर प्रदेश सिविल सर्विसेज संघ ने मांग की है कि प्रतिभावान खिलाड़ियों का पुरस्कृत किया जाए.

Events DIARY

- **फेस्टिवल**
  चिल्ड्रेन फिल्म फेस्टिवल, सीएमएस कानपुर रोड, 9 बजे से
- **बैसाखी**
  लखिका ग्रुप की ओर से बैसाखी कार्यक्रम, केपेचिनो ऐशबाग, 3 बजे से
- **कवि सम्मेलन**
  दैनिक जागरण कवि सम्मेलन, लोहिया पार्क, 7 बजे से

चंडीगढ़ तक जाइये बस से

LUCKNOW(6 April): लखनऊ से गुड़गांव और चंडीगढ़ तक का सफर करने वाले यात्रियों को जल्द ही राहत मिलेगी. ट्रेनों में सीटें न मिलने के कारण अब लोगों को अपनी यात्रा कैंसिल नहीं करनी होगी. परिवहन निगम जल्द ही इन दोनों जगहों के लिए बसों का संचालन करने की तैयारी में है. आगामी 12 अप्रैल को होने वाली राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) की बैठक में इन रूटों के लिए परमिट जारी किए जा सकते हैं. परिवहन निगम और हरियाणा के बसों के संचालन को लेकर सहमति बन चुकी है. परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार परमिट मिलने के बाद रूट सर्वे का काम पूरा किया जाएगा. साथ ही दूरी और किराया भी निर्धारित किया जाएगा. उसके बाद इस रूट पर सस्ती जनरथ बस चलाए जाने की तैयारी है.